समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

स्पेन से हारकर फीफा वर्ल्ड कप से बाहर हुआ पुर्तगाल, क्रिस्टियानो रोनाल्डो की भूमिका पर उठे सवाल

Sanket Morankar Published on 07 Jul 2026

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 1-0 की हार के साथ पुर्तगाल का विश्व कप अभियान समाप्त हो गया। इस हार के बाद टीम के प्रदर्शन के साथ-साथ अनुभवी स्टार खिलाड़ी **क्रिस्टियानो रोनाल्डो** और मुख्य कोच **रॉबर्टो मार्टिनेज** की रणनीति पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

पूरे मुकाबले में स्पेन ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन किया, जबकि पुर्तगाल की आक्रामक पंक्ति अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ सकी। टीम गोल करने में असफल रही और अंततः उसे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

मैच के बाद फुटबॉल विश्लेषकों और प्रशंसकों के बीच सबसे अधिक चर्चा रोनाल्डो के प्रदर्शन को लेकर रही। रिपोर्टों के अनुसार, इस मुकाबले में रोनाल्डो पुर्तगाल के सबसे कम रेटिंग पाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। बावजूद इसके, कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने उन्हें पूरे मैच में मैदान पर बनाए रखा और कोई बदलाव नहीं किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला पुर्तगाल के लिए महंगा साबित हुआ। खासकर इसलिए क्योंकि युवा स्ट्राइकर **गोंकालो रामोस**, जिन्होंने पिछले नॉकआउट मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ निर्णायक गोल किया था, पूरे मैच में बेंच पर ही बैठे रहे और उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले दो फीफा विश्व कप में गैर-पेनल्टी गोलों के मामले में गोंकालो रामोस का प्रदर्शन रोनाल्डो से बेहतर रहा है। सीमित मिनट खेलने के बावजूद रामोस ने अधिक गोल किए हैं, जबकि रोनाल्डो को कहीं अधिक समय मिलने के बावजूद उनका योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है।

फुटबॉल विशेषज्ञों का कहना है कि स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ पुर्तगाल को अधिक ऊर्जा, तेज मूवमेंट और हाई-प्रेसिंग की जरूरत थी। ऐसे में युवा खिलाड़ियों का उपयोग टीम के लिए फायदेमंद हो सकता था। हालांकि कोच ने अनुभव पर भरोसा जताते

हुए रोनाल्डो को अंतिम समय तक मैदान पर रखा।

मैच के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो भावुक नजर आए और मैदान छोड़ते समय उनकी आंखों में आंसू भी दिखाई दिए। विश्व फुटबॉल के महान खिलाड़ियों में गिने जाने वाले रोनाल्डो के लिए यह हार बेहद निराशाजनक मानी जा रही है।

हालांकि, यह भी उल्लेखनीय है कि किसी भी टीम की हार का जिम्मेदार केवल एक खिलाड़ी को ठहराना उचित नहीं माना जाता। फुटबॉल एक सामूहिक खेल है, जहां परिणाम टीम की रणनीति, खिलाड़ियों के प्रदर्शन और मैच की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। पुर्तगाल की हार के बाद अब कोचिंग स्टाफ की रणनीति, टीम चयन और पूरे प्रदर्शन का व्यापक विश्लेषण किया जा रहा है।

स्पेन ने इस जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है, जबकि पुर्तगाल का विश्व कप अभियान समाप्त हो गया। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ इस हार के बाद टीम और कोचिंग स्टाफ में किस तरह के बदलाव करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.